वर्ष:- 06
अंक:- 43
मुरादाबाद
(Wednesday)
03 June 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

फाजिल नगर का बदलेगा नाम, भगवान महावीर से संबंधित होगा नया नाम;सीएम योगी बोले- पहले जंगल पार्टी का आतंक था

कुशीनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने माफिया को उत्तर प्रदेश से समाप्त किया है और मच्छरों को भी समाप्त किया है। मच्छर बीमारियां लाते हैं और माफिया बेरोजगारी लाते हैं। बीमारी और बेरोजगारी की समस्या का समाधान करके आज उत्तर प्रदेश में जब कोई नौकरी निकलती है तो उसमें हमारे कुशीनगर के नौजवान भी नियुक्ति पत्र प्राप्त करते हैं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 278 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने

तमकुही राज और पावा नगर की पवित्र भूमि पर आने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के बाद यह उनका पहला दौरा है। यह स्थान भगवान राम के पुत्र कुश से जुड़ा हुआ है। यह भूमि भगवान बुद्ध और भगवान महावीर से भी संबंधित है। कुशीनगर ऐसी समृद्ध और गौरवशाली विरासत का साक्षी है। मुख्यमंत्री ने नौ-दस साल पहले की स्थितियों को याद किया। उन्होंने बताया कि तब पहचान का संकट और बीमारी का संकट था। हर तरह के माफियाओं, जैसे रेत माफिया और खनन माफिया, का आतंक था। जंगल पार्टी का भी खौफ फैला हुआ था।पिछली सरकारों की स्थिति- मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ-दस साल पहले कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी। जंगल पार्टी के आतंक से लोग भयभीत रहते थे। उस समय अराजकता और कानूनहीनता का माहौल था। आज की पीढ़ी, खासकर 25 साल से कम उम्र के लोग, शायद उस डर को नहीं जानते। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने माफिया को उत्तर प्रदेश से समाप्त किया है और मच्छरों को भी समाप्त किया है। मच्छर बीमारियां लाते हैं और माफिया बेरोजगारी लाते हैं। बीमारी और बेरोजगारी की समस्या का समाधान करके आज उत्तर प्रदेश में जब कोई नौकरी निकलती है तो उसमें हमारे कुशीनगर के नौजवान भी नियुक्ति पत्र प्राप्त करते हैं। फाजिल नगर अब होगा पावागढ़- सीएम योगी ने इस दौरान बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि फाजिल नगर का नाम अब पावागढ़ होगा।

संक्षिप्त समाचार

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने जारी किया परीक्षा कैलेंडर

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वर्ष 2026 की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और साक्षात्कारों का कैलेंडर जारी कर दिया है। जनवरी से सितंबर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशुलिपिक, कनिष्ठ सहायक, लेखपाल, अवर अभियंता समेत कई पदों की परीक्षाएं आयोजित होंगी। इससे अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए स्पष्ट समयसीमा मिल गई है।उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (ब्क्सस्स्ष्ट) ने वर्ष 2026 के लिए जनवरी से सितंबर तक आयोजित होने वाली विभिन्न भर्ती परीक्षाओं एवं साक्षात्कारों का विस्तृत कैलेंडर जारी कर दिया है। आयोग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला), आशुलिपिक, कनिष्ठ सहायक, अवर अभियंता (सिविल), लेखपाल तथा विभिन्न तकनीकी एवं विभागीय पदों की मुख्य परीक्षाओं और साक्षात्कारों की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। कैलेंडर के अनुसार, वर्ष की शुरुआत 11 जनवरी 2026 को स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) मुख्य परीक्षा से होगी, जबकि 20 जनवरी को आशुलिपिक और 1 फरवरी को कनिष्ठ सहायक की मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक तथा प्रवर्तन कांस्टेबल भर्ती से संबंधित शारीरिक दक्षता परीक्षाएं भी फरवरी में कराई जाएंगी। आयोग ने जून से सितंबर 2026 तक कई नई मुख्य परीक्षाओं की संभावित तिथियां भी घोषित की हैं। म्मलित अवर अधीनस्थ सेवा, आबकारी सिपाही तथा वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक मुख्य परीक्षा शामिल हैं।

मोदी सरकार के 12 साल: 5 से 21 जून तक BJP चलाएगी देशव्यापी जनसंपर्क अभियान; केंद्र की उपलब्धियां गिनाएंगे नेता

भाजपा ने मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर 5 से 21 जून तक देशव्यापी जनसंपर्क अभियान चलाने का फैसला किया है। पार्टी नेता गांवों में जाकर सरकार की उपलब्धियां बताएंगे और लोगों से संवाद करेंगे। इस दौरान संगठन विस्तार, बूथ स्तर को मजबूत करने तथा युवाओं, महिलाओं और कई वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देशभर में 15 दिन का जनसंपर्क और संगठन विस्तार अभियान चलाने का फैसला किया है। इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय विस्तार केंद्र में संपन्न हुई।5-21 जून तक गांव-गांव पहुंचेगी भाजपा- इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की। बैठक में संगठन के विस्तार और जनता तक सरकार की उपलब्धियां पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गई। भाजपा 5 जून से 21 जून तक देशव्यापी जनसंपर्क अभियान चलाएगी। इस दौरान पार्टी के नेता गांव-गांव जाकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों और

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगे। यह अभियान विश्व पर्यावरण दिवस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसरों के साथ भी जुड़ा रहेगा। अभियान के तहत पार्टी नेताओं को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 प्रभावशाली मतदाताओं से संपर्क कर उनकी राय और सुझाव लेने की जिम्मेदारी भी दी गई है। यह कार्यक्रम 23 जून से पहले समाप्त होगा, जिसे भाजपा पूरे देश में 'बलिदान दिवस' के रूप में मनाएगी।संगठन विस्तार पर भाजपा का फोकस
बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि सरकार की प्रमुख उपलब्धियों और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे नागरिकों तक प्रभावी तरीके से पहुंचाई जाए। इसके लिए व्यापक और दूरगामी रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के विस्तार की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्तमान में एनडीए देश के 22 राज्यों में सरकार चला रहा है। इसे संगठन के बढ़ते प्रभाव और व्यापक राजनीतिक पहुंच का प्रमाण बताया गया। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर भी विशेष चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नई कार्यप्रणालियों पर विचार किया। इनमें जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से मिले सुझावों को भी शामिल किया गया। युवाओं, महिलाओं और पेशेवरों को जोड़ने की तैयारी- भाजपा ने भविष्य की रणनीति के तहत युवाओं को बड़ी संख्या में संगठन से जोड़ने और उन्हें शुरुआती दौर में ही नेतृत्व की जिम्मेदारियां देने की योजना पर भी चर्चा की। इसके साथ ही महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया गया। बैठक में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों की संगठन में भागीदारी बढ़ाने की योजनाओं पर भी विचार किया गया। इसके अलावा डॉक्टरों, इंजीनियरों और वकीलों जैसे पेशेवर वर्गों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का फैसला किया गया, ताकि उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीति निर्माण और सामाजिक विकास में किया जा सके।इस बैठक के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर को मजबूत करना और समाज के नए वर्गों तक पहुंच बनाना पार्टी की आगे की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। इन 22 उपलब्धियों पर भी जोर- 12 साल 22 उपलब्धियों में पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा एवं ऐतिहासिक निर्णयों की याद ताजा कराएगी। इसमें अनुच्छेद 370 का खात्मा, राम मंदिर निर्माण, सीएए, डिजिटल क्रांति, पांचवीं अर्थव्यवस्था तक का सफर, 12 करोड़ को उज्जवला योजना का लाभ, तीन करोड़ से अधिक पक्का आवास निर्माण, 12 करोड़ शौचालय, आयुष्मान योजना, 25 करोड़ लोगों को गरीबी के अभिशाप से मुक्ति जैसे मुद्दों पर जनता के समक्ष रिपोर्ट कार्ड देगी।

चुनावी खर्चों के लिए बिजली महंगी कर रही सरकार, अखिलेश बोले- सत्ता से निराश लोग आत्मदाह को मजबूर

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार चुनावी खर्चों के लिए बिजली महंगी कर रही है।
वहीं, सत्ता से निराश लोग आत्मदाह को मजबूर हैं।सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली के बिल के नाम पर भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव के तिकड़मी खर्चों की व्यवस्था के लिए सरचार्ज (अधिभार) लगा रही है। भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाकर जनता की जेब काट रही है। भाजपा की सरकार हर दिन महंगाई बढ़ा रही है।अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा कभी डीजल, पेट्रोल, कभी बिजली और कभी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा रही है।
भाजपा गरीब, किसान विरोधी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी, तभी महंगाई से निजात मिलेगी।सरकार से निराश लोग आत्मदाह को मजबूर- वहीं, सपा अध्यक्ष ने एक्स के माध्यम से कहा कि भाजपा सरकार से निराशा इतनी बढ़ गई है कि नाउम्मीद होकर पीड़ित लोग आत्मदाह के लिए बाध्य हो रहे हैं। भाजपा के सत्ता के अहंकार ने उन्हें इतना संवेदनहीन बना दिया है कि उन्हें किसी की पुकार, गुहार व चीत्कार तक सुनाई नहीं देती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आवास के सामने अपनी रोजी-रोटी के लिए जूझ रहे रोडवेज संविदाकर्मियों द्वारा आत्मदाह करने का प्रयास बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बंगाल में सियासी उबाल के संकेत: ममता-अभिषेक समेत TMC नेताओं का हल्लाबोल, BJP ने हिंसा मामले में तृणमूल को घेरा

पश्चिम बंगाल में सियासी उबाल के संकेत हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गत दिनों तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ हुई मारपीट के मामले में पूर्व सीएम ममता बनर्जी, पार्टी के सांसद अभिषेक बनर्जी समेत कई ज्ञस्ष्ट नेताओं के साथ विरोध-प्रदर्शन करने पहुंचीं हैं। सत्तारूढ़ भाजपा ने पलटवार किया है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 15 साल के बाद सत्ता से बेदखल हुई है। 15 साल बाद तृणमूल को उखाड़ फेंकने वाली भाजपा आत्मविश्वास से लबरेज है। तृणमूल कांग्रेस इस करारी हार के बाद चुनाव में धांधली के आरोप लगा रही है। दोनों दलों के आक्रामक तेवरों के बीच आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विरोध-प्रदर्शन का एलान किया। टीएमसी की तरफ से हुए इस हल्लाबोल के बीच भाजपा ने सोनारपुर में हुई मारपीट और हिंसा के मामले में तृणमूल को घेरा है। भाजपा नेता समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि उनके दल पर तृणमूल के ऐसे राजनीतिक हथकंडों का कोई असर नहीं पड़ेगा।सीएम ममता ने अपने धरने पर क्या कहा? मंगलवार को टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी अपने आवास से निकलने के बाद कोलकाता के रानी रासमणि एवेन्यू पहुंचीं। विरोध-प्रदर्शन के दौरान पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि भले ही कोलकाता पुलिस ने उन्हें धरने की इजाजत नहीं दी है, वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना प्रदर्शन जारी रखेंगी। कोलकाता में वे सांसद कल्याण बनर्जी समेत कई अन्य नेताओं के साथ वाई सर्किल पर शुभेंदु सरकार के खिलाफ धरना दे रही हैं।इससे पहले टीएमसी नेताओं ने पार्टी के नेताओं पर हुए हमलों के विरोध में प्रदर्शन किया। तृणमूल इसलिए भी आक्रामक है भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पूर्व सीएम ममता बनर्जी के भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ सोनारपुर में मारपीट होने के अलावा कई अन्य नेताओं के साथ भी कथित तौर पर ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के बाद धरना- ममता बनर्जी ने विरोध प्रदर्शन के दौरान अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने कहा कि तृणमूल नेताओं के इस विरोध-प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य नेताओं के खिलाफ हो रहे हमलों के खिलाफ आवाज उठाना है। प्रदर्शन से पहले टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ मिलकर भारत रत्न बीआर आंबेडकर को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व सीएम ममता हाथ में संविधान की किताब लेकर श्रद्धांजलि देने पहुंचीं थीं।

संपादकीय Editorial

A mob attacked a Member of Parliament

Trinamool Congress Lok Sabha MP and party General Secretary Abhishek Banerjee, who was attacked by a mob, raised questions about democracy. Abhishek was pelted with eggs, stones, kicked and slapped, his shirt was torn, he was called "thief, thief," and his glasses were even broken. The MP was somehow escorted out of the scene wearing a helmet. He is still reportedly hospitalized. After 15 long years in power, the Trinamool Congress suffered a crushing defeat in the West Bengal elections. Even former Chief Minister and party chief Mamata Banerjee lost. Abhishek is Mamata's nephew. The people of Bengal have expressed their anger, dissatisfaction, resentment, and rejection of the Trinamool government through their mandate. This fundamental chapter of democracy must end here. Abhishek faces numerous serious allegations of corruption, bribery, illegal assets, the coal scam, the education recruitment scam, and money laundering. Investigating agencies and the court are doing their work. Abhishek was on his way to the Sonarpur area of ??South 24 Parganas to meet and express his condolences to the families of party workers who were victims of election violence. It's possible that the roads, electricity, water, and drainage systems in that area may not be adequately maintained. Therefore, it's natural for people to become agitated, shout slogans against the defeated leader, and hold limited protests. However, all this should be done within the bounds of law and order. The "red line" of restraint and control should not be crossed, but in India, the opposite occurs. Mobs cannot make laws. Mobs cannot pronounce punishments or execute punishments. Such mob behavior is complete lawlessness. Indira Gandhi, the country's former Prime Minister, and several Chief Ministers and Ministers have lost elections. Mobs cannot resort to physical violence. Mobs in India have often been unruly and violent. This has been witnessed during riots in many parts of the country. Mobs pelt stones, brandished sticks and swords, and even threw petrol bombs. Are we still a "great democracy"? Can these criminal acts be considered 'democracy'? What the mob did to three-time elected MP Abhishek Banerjee is certainly nothing but anarchy, street thugism, unbridled violence, frenzy, and unruliness. One face in the mob slapped Sharad Pawar, the former Defense and Agriculture Minister and still a Rajya Sabha MP. A shoe was hurled at P. Chidambaram, the former Union Finance and Home Minister and still a Rajya Sabha MP. Kejriwal, who served as Delhi's Chief Minister for 10 years, was repeatedly blackened. Union Home Minister Amit Shah was pelted with stones in Bengal. In the last election, then-BJP President J.P. Nadda and the party's then-in-charge Kailash Vijayvargiya were also attacked. Today, another TMC MP, Kalyan Banerjee, was attacked. What kind of democracy is this? What do these actions indicate? Bengal now has a BJP government, with Suvendu Adhikari as Chief Minister. He is rapidly transforming the system. Many communal changes have also been made. More than 600 km of fencing will be built along the Bangladesh border. The BSF has been given land for this. The atmosphere is Hindutva-oriented. The mob that attacked Abhishek also raised slogans of "Jai Siya Ram." Do you want religion or should infrastructure be improved? It's good that after the new government came to power, alleged infiltrators are fleeing to the Bangladesh border, but this isn't as easy a task as it's being portrayed. The question is, who is responsible for the MP's security now? The state government revoked Abhishek's Z security. This will be the government's own assessment.

Abhishek Banerjee's accident: 7 questions that put the TMC itself in the dock. Is this a conspiracy?

This incident involving Abhishek Banerjee occurred in Ward No. 9 of the Rajpur Sonarpur Municipality. Surprisingly, despite the Trinamool Congress having 34 councillors in this 35-ward municipality, none of the councillors, including the local councillor of Ward No. 9, were present at the scene. When Mamata Banerjee took to the streets to protest, the public was frustrated and distressed by the CPM, which is why she received overwhelming support. When Abhishek Banerjee took to the streets, the public, fed up with the CPM and the government, had sought relief. In such a situation, let alone public support, had to face opposition. The questions are countless, but these questions arise from Abhishek Banerjee, Mamata Banerjee, and her party, the Trinamool Congress, before the BJP government. When Abhishek Banerjee went to Beleghata earlier in the day, only local MLA Kunal Ghosh was present with him. No other public representative or senior leader was seen with him. When he arrived in Sonarpur in the evening, no leader was with him. Why? Was this just a coincidence, or was there some other reason behind it? This question naturally arises. From the afternoon onward, public representatives and local leaders were called, requesting their presence at the event. However, those contacted stated they were out of the area, while others declined, citing various reasons. One leader even suggested that given the current situation, it would be better to cancel the event. Many resorted to call forwarding or call divert, while others simply switched off their phones. It is reported that Abhishek Banerjee himself called several leaders. This incident with Abhishek Banerjee occurred in Ward No. 9 of the Rajpur Sonarpur Municipality. Surprisingly, despite the Trinamool Congress having 34 councilors in this 35-ward municipality, no councilor, including the local councilor of Ward No. 9, was present at the scene. Only Balaichand Barik, the chairman of the Rajpur Sonarpur Panchayat Samiti, was present. The absence of Lovely Mitra, the former MLA of Sonarpur South, also raises several questions. When the Trinamool Congress was in power, leaders were often vying to be close to Abhishek Banerjee. Consequently, her absence during this incident has become a topic of discussion in political circles. Of the five people arrested in this case, three are said to be associated with the Trinamool Congress. There is also talk in political circles that these individuals are supporters and workers of Lovely Mitra. Such a huge case, no complaint filed—if true—seems to be not only a law and order issue, but also a matter of internal political dynamics and factionalism within the Trinamool Congress. Based on videos and photographs that surfaced after the incident, the police took suo motu cognizance and made the arrests. It is noteworthy that neither Abhishek Banerjee nor the Trinamool Congress has filed a formal complaint in this matter. Interestingly, Rajpur Sonarpur Municipality Chairman Pallav Kumar Das had called a meeting of councillors at 3 pm that day, but the meeting had to be cancelled due to the absence of most of the councillors. Among those whom Abhishek Banerjee personally contacted by phone during the incident was local councillor Anita Basu. Basu and her husband Hemant Basu were at home at the time. Trinamool leader Hemant Basu had requested Abhishek Banerjee not to come to the scene, stating that the atmosphere in the area was extremely tense. Firdous Begum, the former MLA of Sonarpur North, had also given similar advice to Abhishek Banerjee. It is reported that a sit-in and protest were also taking place outside her house at the time. However, Abhishek Banerjee, like Mamata Banerjee, had taken to street politics and protest. Perhaps he forgot that Mamata Banerjee's struggle was to oust the Left Front from power and that she had fought on the streets while out of power. In contrast, Abhishek Banerjee took to the streets after being ousted from power.

MLAs' signature controversy: Mamata and Abhishek are unable to overcome the arrogance of power

The Kolkata Police and CID are investigating the matter. After the report is submitted and further proceedings are initiated, the dispute may reach the court. Considering the court process and the constitutional powers of the Speaker of the Assembly, it is clear that the political challenges for the Trinamool Congress are far from over. Even after losing power, the arrogance of power is clearly visible in the behavior of Mamata Banerjee and Abhishek Banerjee. Mamata Banerjee still refuses to use the term "former Chief Minister" alongside her name on social media. Her Facebook and Instagram handles still display the title "Chief Minister of the 15th, 16th, and 17th Assembly." This suggests that she is unable to accept the results of the Assembly elections with ease. On the other hand, Abhishek Banerjee sent a letter to the Speaker regarding the appointment of the Leader of the Opposition, Deputy Leader of the Opposition, and Chief Whip in the Assembly. The Speaker shelved the letter. When the Trinamool Congress objected, the Assembly Speaker questioned the party's general secretary's authority to send this proposal. He asked where the signatures of the MLAs who selected these leaders were. Following this, Leader of the Opposition-designate Shobhandeb Chattopadhyay, Deputy Leaders-designate Asima Patra and Nayana Bandopadhyay, Chief Whip-designate Firhad Hakim, and the party's chief spokesperson Kunal Ghosh, along with some MLAs, staged a sit-in protest under the statue of Dr. Bhimrao Ambedkar in the Assembly premises and began shouting slogans. They even approached the Speaker's chamber several times, demanding to meet him, but were disappointed. When the Speaker demanded a resolution signed by the MLAs, the same letter dated May 6 was resent, which was later signed by the MLAs on May 19. It is also alleged that this letter bears the signatures of some MLAs who did not attend the May 6 meeting. For example, Mohammad Baharul Islam, MLA from the Canning East Assembly constituency. There are several MLAs who were not present at the May 6th meeting, but their signatures are on the letter. Let's consider the entire sequence of events. Counting of votes takes place on May 4th, marking the end of Mamata Banerjee's tenure. On May 6th, the TMC legislative party meets, and Mamata Banerjee herself appoints the party leader, deputy leader, and chief whip. Abhishek Banerjee then sends the relevant letter to the Assembly Speaker's office. The matter reaches the CID - politics seems to be taking a turn from here. While the Trinamool Congress, grappling with rebellion and desertion after the electoral defeat, now finds itself embroiled in a signature controversy. After receiving complaints of discrepancies in the signatures of some MLAs, the Assembly filed a complaint at the Hare Street police station in Kolkata. Following this, the police, with the help of the CID, have launched an investigation. To verify the authenticity of the signatures, the CID team, accompanied by a handwriting expert and a videographer, visited the homes of several TMC MLAs. The team questioned Chowringhee MLA Nayana Bandopadhyay, Beleghata MLA Kunal Ghosh, Canning East MLA Mohammad Baharul Islam, and Domjur MLA Tapas Maiti. The team also visited the home of Bolpur MLA Chandranath Sinha, though the reason for this was not immediately clear. A Trinamool Congress resolution claimed to have the signatures of 70 out of 80 MLAs. Now, questions have been raised about the authenticity of those signatures. When some Trinamool Congress MLAs themselves are claiming they did not sign the document, the question arises as to who signed them. The controversy began with the signature of Canning East MLA Mohammad Baharul Islam. He stated that he would not comment further on the matter until the investigation is complete. According to him, investigating officers asked him where he was on May 6th. He stated that he was at his home in Bhangar that day. He was shown a signature related to a meeting, while he claims he did not attend any meeting that day and was at home due to post-election violence. The CID team also spent a considerable time at the home of Chowringhee MLA and designated Deputy Leader Nayana Bandopadhyay. Bandopadhyay stated that the entire process was videotaped. She stated that this was not an Assembly document, but a party document. According to her, the party had taken a collective decision and she had not signed the paper because there was not enough space. Meanwhile, Shobhandeb Chatterjee, the designated Leader of the Opposition and MLA from Ballygunge, alleged that the MLAs were being unnecessarily harassed and intimidated. He claimed that Nayana Bandopadhyay had signed, but was told that the signature was not hers. The investigating officer also took a photo of her PAN card. The lack of resemblance between the signatures raises questions: Interestingly, there is no resemblance between Nayana Bandopadhyay's official signature after taking the oath of office and the signature on the controversial resolution. All eyes are now on the handwriting expert's report, which could determine the direction of this controversy. Currently, the Kolkata Police and CID are investigating the matter. Once the report is submitted and further proceedings are initiated, the dispute could reach the courts. Court proceedings and Assembly proceedingsGiven the Speaker's constitutional powers, it's clear that the political challenges for the Trinamool Congress are far from over. The signs are clear that this political crisis for the Trinamool Congress will continue for a long time.

UP पुलिस की लापरवाही उजागर: कोर्ट में गूंजी आवाज- नरेश हाजिर हों, पत्नी बोली- हुजूर वह दो साल पहले गुजर गए

पाकबड़ा थाना पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। दो साल पहले मौत हो चुके नरेश को भी शांति भंग की आशंका में पाबंद कर एसडीएम कोर्ट में रिपोर्ट भेज दी गई। सुनवाई के दौरान जब नरेश को कोर्ट में पेश होने के लिए पुकारा गया तो उसके परिजनों ने बताया कि उसकी दो वर्ष पहले बीमारी से मृत्यु हो चुकी है। जिस नरेश की दो साल पहले मृत्यु हो चुकी है, उससे कस्बे की शांति को खतरा बताते हुए दरोगा ने शांतिभंग में पाबंद कर दिया। विवाद में दोनों पक्षों के चार-चार लोगों को पाबंद करते हुए रिपोर्ट एसडीएम कोर्ट में भेज दी। सोमवार को कोर्ट में नरेश हाजिर हों की आवाज लगी तो उसकी पत्नी और भाई ने बताया कि वह पेश नहीं हो पाएंगे क्योंकि उनकी दो साल पूर्व मृत्यु हो चुकी है। कोर्ट ने इस मामले में थाने से आख्या मांगी है। पाकबड़ा की नई बस्ती कैलसा रोड निवासी निवासी दिनेश और सदन के परिवार के बीच विवाद चल रहा था। पाकबड़ा थाने के दरोगा विनीत कुमार ने दोनों पक्षों के चार-चार लोगों को शांतिभंग में पाबंद कराने के लिए एसडीएम कोर्ट में रिपोर्ट भेजी थी। दरोगा ने लिखा कि 28 मार्च 2026 को मौके पर जाकर जांच की और सभी के बयान दर्ज किए। जिससे पता चला कि दोनों पक्षों में आए दिन विवाद रहता है। जिससे दोनों पक्षों से शांति को खतरा बना हुआ है। दरोगा ने दिनेश, उसकी पत्नी पूनम, भाई नरेश और नरेश की पत्नी रज्जो को शांति भंग में पाबंद किया।जबकि दूसरे पक्ष के सदन, उसकी पत्नी मंजू, बेटी जाह्नवी, सोनू की पत्नी साक्षी को पाबंद किया। हैरानी की बात यह है कि दरोगा की इस रिपोर्ट पर थाना प्रभारी ने संस्तुति की रिपोर्ट लगा दी और कोर्ट भेज दिया था। सोमवार को इस मामले में कोर्ट में तारीख थी। दिनेश और उसकी पत्नी, भाई नरेश की पत्नी पेश हुए। तब पता चला कि दरोगा ने नरेश के खिलाफ भी शांति भंग की रिपोर्ट बनाकर भेजी थी। दिनेश ने बताया कि उनके भाई नरेश की मृत्यु दो साल पहले बीमारी के चलते हो चुकी है। कोर्ट ने इस मामले में थाना पुलिस ने आख्या मांगी है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि इस मामले की जांच कराकर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

एमडीए में शामिल 71 गांवों का विकास प्रभावित, महायोजना का पता नहीं, नक्शे की अनिवार्यता बनी परेशानी

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) में जून 2024 में शामिल किए गए 71 नए गांवों के लिए अब तक महायोजना (मास्टर प्लान) तैयार नहीं हो सकी है। इन गांवों को एमडीए क्षेत्र में शामिल करने के साथ ही निर्माण कार्यों के लिए मानचित्र स्वीकृति अनिवार्य कर दी गई थी, लेकिन भू-उपयोग तय न होने के कारण एमडीए मानचित्र पास नहीं कर पा रहा है। इससे ग्रामीणों को मकान और अन्य निर्माण कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 25 जून 2024 को मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) के विस्तार के लिए 71 और गांवों को प्राधिकरण क्षेत्र में शामिल करने को मंजूरी दी गई थी। तभी मुरादाबाद, अमरोहा और संभल जिले के इन गांवों में किसी भी तरह के निर्माण के लिए प्राधिकरण से मानचित्र पास कराने की अनिवार्यता भी लागू हो गई थी लेकिन अभी तक एमडीए इन गांवों के 146 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की महायोजना (मास्टर प्लान) तैयार नहीं कर सका है।अब एमडीए ने इन गांवों की एक नई महायोजना तैयार करने की कवायद शुरू की है। मुरादाबाद जिले के कुल 52, अमरोहा के 16 और संभल जिले के तीन गांवों को मिलाकर कुल 71 गांवों को एमडीए में शामिल करने की मंजूरी मिल गई। बोर्ड की बैठक में ही इस क्षेत्र में प्राधिकरण के नियमों को लागू कर दिया गया। इससे ग्रामीणों के प्रत्येक निर्माण से पहले एमडीए की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया। वहीं दूसरी ओर मास्टर प्लान तैयार नहीं किया। समस्या यह है कि एमडीए मानचित्र पास कैसे करे, क्योंकि महायोजना में भू-उपयोग तो तय ही नहीं है। ऐसे में मानचित्र पास करने से भू-उपयोग की स्थिति गड़बड़ा सकती थी। एमडीए इन क्षेत्रों में मानचित्र पास करने में आनाकानी करता रहा। यहां के लोगों का कहना है कि कोई निर्माण करते हैं तो एमडीए के टीमें कार्य रोकने आ जाती हैं। यदि कोई निर्माण कर भी ले तो उसका उत्पीड़न किया जाता है। मानचित्र पास किया नहीं जा रहा है। ग्रामीणों की इस समस्या को एमडीए बोर्ड की बैठक में भी दो बार रखा जा चुका है। जनवरी में हुई बैठक में भी एमडीए बोर्ड के सदस्य राजू कालरा ने मुद्दा उठाया था। उस समय भी तीन माह में इन गांवों की अलग से एक महायोजना तैयार करने का भरोसा दिया गया था लेकिन अब पांच महीने बीत चुके हैं लेकिन महायोजना तैयार नहीं हो सकी। इधर, एमडीए के नियोजन सलाहकार ज्योति प्रसाद का कहना है कि नए शामिल किए गए सभी 71 गांवों की महायोजना तैयार करने का कार्य तेजी से चल रहा है। जिसका कार्य शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। पहले तैयार की गई महायोजना-2031 में यह गांव शामिल नहीं है, इसलिए किस आधार पर मानचित्र स्वीकृत किए जाएं और किस आधार पर विकास कार्य कराया जाए। सभी कुछ महायोजना के अनुसार ही किया जाना है, जिसमें भू-उपयोग तय होता है कि कौन सा क्षेत्र आवासीय है और कौन का वाणिज्यिक। कहां पार्क बनेगा और कहां कहां रोड रहेंगे। पहले एमडीए का क्षेत्रफल 390 वर्ग किलोमीटर था, अब 71 गांवों के 146 वर्ग किमी क्षेत्र बढ़ जाने के बाद कुल क्षेत्रफल 536 वर्ग किलो मीटर हो गया है। इधर, एमडीए बोर्ड के सदस्य राजू कालरा ने स्पष्ट किया कि एमडीए में शामिल गांवों में ग्राम पंचायतें पूर्व की भांति ही विकास कार्य कराएंगी लेकिन नए निर्माण पर मानचित्र आवश्यक हो गया है। मुरादाबाद तहसील के गांव - बारीपुर, गिंदौड़ा, धनुपुरा, ककरघटा, चक गिंदौड़ा, पलूपुरा घोसी, लोधीपुर राजपूत, नगला बलबीर, सकटू नगला, खरगापुर जगतपुर, मदनापुर, नरखेड़, गोविंदपुर खुर्द, बीरपुरथान, दलपतपुर, हरसैनपुर, नियामतपुर इकटोरिया, सिरस खेड़ा, चमरुवा, दौलारा, हला नगला, खानपुर लक्खी, भदासना, ताहनायक, सिहोराबाजे, मूंढापांडे चक फरचंद अली, मूंढापांडे, दोलारी, सैजना, मनकारा, मूंढापांडे चक दफे सिंह, बरबारा खास मुस्तहकम, गनेशघाट मुस्तहकम और सेहरिया सहित 34 गांव। कांठ तहसील के गांव-इसी प्रकार कांठ तहसील के सदरपुर मतलबपुर, भीकनपुर असदलपुर, कथायन, कूडाखाना, अथाई उर्फ अथायन, कूरी रवाना, खलीलपुर अमरू, पचौकरा खानपुर, नजरपुर, कुचावली, शुक्ला उर्फ शुम्ला, किशनपुर, कूड़ामीरपुर, जलालपुर मुंडा नगला, शाहपुर मुबारकपुर, लदावली, मधपुरी, चक जोगवाली, चक सिकरिया उर्फ खैड़िया, मौढ़ा गांव सहित 18 गांव शामिल हैं। संभल जिले के गांव -पैतियामाफी, मालपुर उर्फ मल्हपुर और इटाला माफी आदि तीन गांव को एमडीए में शामिल किया गया है। अमरोहा जिले के गांव - ढकिया नगर पंचायत, दीपपुर, चक पायती उर्फ गौसपुर, करनपुर, अमेढ़ा, चकदीपपुर, बुढ़नपुर सड़क, फतेहपुर मंजरा, जिवाई, चौधरपुर, सलेमपुर नवादा, पायतीकलां, नौरंगी, पतेई खालसा, औरंगाबाद, सिरसा मोहन सहित कुल 16 गांव।

दूसरे समुदाय के युवक से इंस्टाग्राम पर बढ़ीं नजदीकियां, महाराष्ट्र से स्वार पहुंची युवती

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हुई बातचीत के बाद महाराष्ट्र की एक युवती स्वार क्षेत्र के एक युवक के संपर्क में आ गई। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने पर युवती कुछ दिन पहले मसवासी क्षेत्र के एक गांव पहुंचकर युवक के साथ रहने लगी। मामले की जानकारी मिलने पर गांव में चर्चा का माहौल बन गया। मामला मसवासी चौकी के एक गांव का है। महाराष्ट्र निवासी युवती की मसवासी चौकी के एक गांव निवासी दुसरे समुदाय के युवक के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत हो गई थी। धीरे धीरे बातचीत प्रेम प्रसंग में बदल गई थी। जिस पर युवती कुछ दिन पूर्व महाराष्ट्र से युवक से मिलने आ गई थी। युवती युवक के साथ उसके घर पर ही रहने लगी थी। जब दुसरे समुदाय के लोगों इस मामलें की भनक लगी तो उन्होंने मसवासी पुलिस को सूचना दी थी। जिस पर दो दिन पूर्व मसवासी पुलिस गांव पहुंच गई थी और युवती को बरामद कर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया था। पुलिस ने युवती से पूछताछ कर गांव के प्रधान की सुपुर्दगी में दे दिया था। साथ ही युवती के परिजनों को भी पूरे मामले की जानकारी दी गई। युवती के परिजन सोमवार को कोतवाली पहुंच गए। परिजनों ने युवती से मुलाकात की और इज्जत का वास्ता दिया जिस पर युवती मान गई। तब पुलिस ने युवती को उसके पिता को सौप दिया। घटना की जानकारी क्षेत्र में फैलने के बाद गांव में लोगों की भीड़ एकत्र होने लगी। युवक और युवती अलग-अलग समुदायों से बताए जा रहे हैं। जिसके चलते क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। युवती के जाने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। समाचार भेजे जाने तक युवक पुलिस की हिरासत में है।

बारिश के बाद मौसम हुआ साफ, चटख धूप में गर्मी से परेशान हुए लोग

पिछले कई दिनों से मौसम अजब रंग दिखा रहा है। दिन भर तेज धूप तो शाम या रात में भीषण आंधी बारिश से जनजीवन बेपटरी हो रहा है। शुक्रवार से रविवार तक शाम या रात में आई आंधी-बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी, लेकिन जलभराव व बिजली व्यवस्था ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। हालांकि सोमवार को सुबह से मौसम साफ रहा। दोपहर में तेज धूप और उमस से लोग परेशान रहे।रविवार शाम आई आंधी बारिश से जलभराव और फाल्ट से बेतरतीब हुई व्यवस्था सोमवार को भी पूरी तरह पटरी पर नहीं आ पाई। कई मोहल्लों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। वहीं लाइनपार, आशियाना, बुध बाजार आदि में बाारिश में हुए जलभराव से सड़कों पर पसरा कीचड़ और गंदगी की सफाई में नगर निगम की टीम सोमवार को दिन भर जुटी रहीं। वहीं बिजली विभाग फाल्ट को दूर करने में लगा रहा। दोपहर में तेज धूप के चलते नमी सूखने पर फिर उमस बढ़ गई। पंखा और कूलर चलने के बाद भी लोग पसीना-पसीना होते रहे। हालांकि तीन दिनों से आ रही आंधी बारिश के चलते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कई डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। सोमवार को अधिकतम तापमान 33.4 और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आर्द्रता 76 प्रतिशत रही। मौसम विभाग ने दो जून के बाद मौसम कुछ दिनों तक सामान्य रहने का अनुमान जताया है। हालांकि बीच बीच में हल्की बारिश भी हो सकती है। इसके बाद तापमान फिर चढ़ेगा। हालांकि दिन और रात के तापमान में आठ से दस डिग्री सेल्सियस का अंतर रहने से रात में गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। सात जून तक का अनुमानित तापमान तारीख अधिकतम तापमान न्यूनतम तापमान दो जून 34 डिग्री सेल्सियस 23 डिग्री सेल्सियस तीन जून 35 डिग्री सेल्सियस 24 डिग्री सेल्सियस चार जून 37 डिग्री सेल्सियस 25 डिग्री सेल्सियसपांच जून 38 डिग्री सेल्सियस 25 डिग्री सेल्सियस छह जून 38 डिग्री सेल्सियस 25 डिग्री सेल्सियस सात जून 38 डिग्री सेल्सियस 25 डिग्री सेल्सियस

संक्षिप्त समाचार

15 दिन तक बच्चे की मौत की सूचना दबाई, लेखपाल समेत तीन कर्मी निलंबित, सेप्टिक टैंक में मिला था शव

रामगंगा विहार हाईस्ट्रीट में खुले सेप्टिक टैंक में गिरकर सात साल के बच्चे की मौत की सूचना 15 दिन तक दबाए रखने पर लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और राजस्व लिपिक को निलंबित कर दिया गया है। एडीएम प्रशासन की जांच में संवेदनहीनता सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई।रामगंगा विहार हाईस्ट्रीट के पास एक सोसाइटी में खुले सेप्टिक टैंक में छह दिनों से लापता बच्चे हसन आलम का शव नौ मई को मिला था। पुलिस की जांच से पता चला कि बच्चे की मां कुरैशा और पिता हसीब मूल रूप से बिहार के अररिया जिले के सिकटी थाना क्षेत्र के पटरिया गांव के रहने वाले हैं।वे एक माह पहले यहां मजदूरी करने आए थे। चार मई को बच्चा घर से खेलने के लिए कमरे से निकला था लेकिन लौटकर नहीं आया। पांच मई को पिता ने सिविल लाइंस थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि बच्चे की मौत डूबने से हुई है।बच्चे के पिता हसीब ने जिस निर्माणाधीन मकान के सेप्टिक टैंक में बच्चा गिरा था उसके आर्किटेक्ट और ठेकेदार के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में तहरीर दी थी। आरोप लगाया था कि इन दोनों ने लापरवाही करते हुए टैंक को ढकवाया नहीं था। इसी वजह से बच्चा टैंक में गिरा और उसकी जान चली गई। एडीएम प्रशासन संगीता गौतम ने बताया कि घटना के 24 घंटे के अंदर पोर्टल पर सूचना अपलोड करने का नियम है। लेखपाल तुषार भटनागर ने सूचना समय पर नहीं दी। कुछ दिनों बाद सूचना दी तो राजस्व निरीक्षक मोहम्मद सफी और राजस्व लिपिक अमरपाल ने रिपोर्ट नहीं दी। तीनों कर्मचारियों ने संवेदनहीनता दिखाई। उन्होंने रिपोर्ट डीएम को भेज दी। डीएम ने इस मामले में तीनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

मासूम की मौत के बाद राहत राशि में लापरवाही, तीन राजस्व अधिकारी निलंबित

मुरादाबाद में दैवीय आपदा में मृत बच्चे के परिवार को 48 घंटे में राहत राशि न देने पर तीन राजस्व अधिकारियों को निलंबित किया गया है। लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और रजिस्ट्रार-कानूनगो ने लापरवाही बरती, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय मिलने में देरी हुई।दैवीय आपदा में पीड़ित परिवार को 48 घंटे के भीतर सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर राहत राशि देने का नियम है। खुद मुख्यमंत्री ने इसको लेकर किसी भी दशा में लापरवाही ना बरतने के निर्देश दिये थे। बावजूद लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और रजिस्टार-कानूनगो मासूम आलम हसन की मौत को पी गए। तीनों के बीच ही मासूम की मौत की फाइल भटकती रही और ऊपर अफसरों तक दैवीय आपदा में जनहानि की सूचना शून्य भेजी जाती रही। तीनों के चक्कर लगाकर थक चुका पीड़ित परिवार जब अफसरों तक पहुंचा, तब कहानी खुली।डीएम के पास पूरा घटनाक्रम पहुंचा, जिसके बाद डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने लेखपाल तुषार भटनागर, राजस्व निरीक्षक मो. शफी और रजिस्टार कानूनगो अमरपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच आसन्न कर दी है। दैवीय आपदा में 48 घंटे के भीतर पीड़ित परिवार को राहत राशि देने का है नियम- बिहार के सिकटी वार्ड-10 अरेरिया निवासी हसीब भवन निर्माण मजदूरी करते हैं। पांच माह से वह हाईस्ट्रीट स्थित पीएस ग्रीन सोसायटी में पत्नी कुरैशा और सात वर्षीय बेटे हसन आलम के साथ कोतवाली क्षेत्र के सागर सराय निवासी राहुल गगनेजा के निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे थे। वहीं रह भी रहे थे। सात मई की शाम हसन खेलते हुए बाहर निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा।बीते माह 7 मई को गटर में गिर गया था मासूम- परिवार ने पूरी रात हाईस्ट्रीट, रामगंगा विहार और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की। रिश्तेदारों, मजदूरों और परिचितों से जानकारी की, मगर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद सिविल लाइंस थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पिता हसीब ने मामले में हत्या की आशंका जताई। शव निर्माणाधीन मकान के गटर में मिला। जानकारी लेखपाल तुषार भटनागर को हुई। उन्होंने इसकी रिपोर्ट रजिस्टार-कानूनगो अमरपाल सिंह को दे दी। तलाश के बाद चौथे दिन मिला था शव- मगर, ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन नहीं किया। इधर, इसके बाद कागज रजिस्टार-कानूनगो व राजस्व निरीक्षक के बीच घूमता रहा। अफसरों को कोई जानकारी ही नहीं दी गई। हैरानी यह कि दैवीय आपदा में जनहानि की सूचना शून्य भेजी जाती रही। पूरे मामले में जब तीनों की कहानी खुली, तब डीएम ने एडीएम प्रशासन संगीता गौतम को प्रारंभिक जांच की।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पुलिस उपाधीक्षक के बेटे ने उत्तराखंड पीसीएस परीक्षा में मारी बाजी, बने राज्य कर अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ बरेली। आंवला क्षेत्र के गांव अतरछेड़ी निवासी मुनेश कुमार शर्मा (हाल निवासी गणेशपुरम बरेली) के पुत्र होनहार शशांक पाठक ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (पीसीएस) परीक्षा उत्तीर्ण कर राज्य कर अधिकारी (State Ta& Officer) पद पर चयनित होकर परिवार एवं जिले का नाम रोशन किया है। शशांक की इस सफलता से परिजनों, मित्रों में हर्ष का माहौल है।शशांक पाठक के पिता मुनेश कुमार शर्मा उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं और वर्तमान में एडीजी कार्यालय गोरखपुर में तैनात हैं। उनकी माता ग्रहणी है। वहीं उनके छोटे भाई चिकित्सा क्षेत्र में एमबीबीएस के बाद एमडी (बाल रोग विशेषज्ञ) की पढ़ाई कर रहे हैं । शशांक की इस उपलब्धि पर परिवार को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।शशांक की सफलता को उनकी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम बताया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।फलता से परिवार क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

गड्ढामुक्त नहीं हो पाएंगी सड़कें मानसून से पहले, बजट संकट से थमी 270 ग्रामीण सड़कों की मरम्मत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शासन से मानसून से पहले 15 जून तक सड़कों के गड्ढे भरने के निर्देश हैं। बावजूद लोक निर्माण विभाग की करीब 270 ग्रामीण और मुख्य संपर्क सड़कें जर्जर स्थिति में हैं। अभियंताओं का कहना है कि बजट मंजूर होने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू हो सकेगा। जिले के नवाबगंज, फरीदपुर और बहेड़ी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति चिंताजनक है। प्रमुख संपर्क मार्गों की खस्ताहाली से न सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि आपातकालीन सेवाओं के संचालन में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। यही नहीं, पिछले वर्ष मरम्मत के लिए चिह्नित 130 सड़कों का काम भी अब तक अधूरा पड़ा है। चालू वित्तीय वर्ष में जनप्रतिनिधियों के भेजे गए नए प्रस्तावों को भी शासन से वित्तीय हरी झंडी नहीं मिल सकी है। एक्सईएन भगत सिंह के अनुसार, शासन को सड़कों की सूची भेजने के साथ ही बजट की मांग की गई है। बजट आवंटित होने के बाद भी सड़कों का कायाकल्प हो सकेगा। वहीं, स्वीकृत हो चुकी जिन सड़कों पर काम शुरू नहीं हैं, ऐसे करीब 80 ठेकेदारों को पिछले दिनों नोटिस जारी कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

कार की मांग ने तोड़ा रिश्ता: विवाहिता ने पति और ससुरालियों पर उत्पीड़न का लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट, मानसिक उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ममता उर्फ रोशनी ने अधिकारियों को दिए शिकायती पत्र में न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता के अनुसार, शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर, ननद और देवर कार की मांग को लेकर दबाव बनाते रहे। उसने बताया कि उसके पिता पैरालिसिस से पीड़ित हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि कार की मांग पूरी कर सके। इसके बावजूद उसके साथ लगातार मारपीट और दुर्व्यवहार किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 15 मार्च 2026 को उसके साथ मारपीट कर उसे कमरे में बंद कर दिया गया और बाद में घर से निकालते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। वहीं 29 मई को रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज में भी उसके साथ मारपीट कर मोबाइल में मौजूद साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया गया। पीड़िता का कहना है कि उसने महिला थाना समेत संबंधित थानों में शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उसने प्रशासन से सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मुर्गों की लड़ाई पर दांव लगाते छह लोग गिरफ्तार, सात मुर्गे भी पुलिस हिरासत में

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुर्गों की लड़ाई पर दांव लगाकर जुआ खेलते छह लोगों को भोजीपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से सात लड़ाकू मुर्गे भी अभिरक्षा में लिए हैं। मौके से 2910 रुपये बरामद किए गए हैं। भोजीपुरा थाना प्रभारी केबी सिंह ने बताया कि थाना पुलिस को सूचना मिली कि सोमवार शाम सैदपुर प्यारेलाल गांव स्थित आम के बाग में मुर्गा लड़ाई कर बड़े पैमाने पर जुआ खेला जा रहा है। सूचना के आधार पर दरोगा रंजीत कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापा मारा। पुलिस को देखकर कुछ जुआरी भाग निकले। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में मकसूद खां, अख्तर खां, साजिद, पप्पू, तेजपाल और भुलइया शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ जुआ अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। साजिद का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। इसके साथ ही जुए में लगी 2910 रुपये की नगदी भी बरामद की गई है। पुलिस ने मौके से सात लड़ाकू मुर्गे भी अभिरक्षा में लिए हैं। चूंकि कार्रवाई में इनका जिक्र होने की वजह से ये भी माल मुकदमाती हो गए हैं लेकिन इनको थाने में ज्यादा समय रख पाना संभव नहीं हो पा रहा है। मुर्गे थाने में इधर से उधर धमाचौकड़ी कर रहे हैं और गंदगी भी फैला रहे हैं।

शिवपुरी में थाना फिजिकल द्वारा 106 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर किया गिरफ्तार, 28 लाख का माल जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा कटारे /शिवपुरी। शहर को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत थाना फिजीकल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 106 ग्राम स्मैक, 52 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल सहित कुल 28 लाख 2 हजार रुपये का माल जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना फिजीकल प्रभारी कृपाल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि करबला पुलिया के पास एक व्यक्ति स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रामनिवास उर्फ करुआ रावत (35 वर्ष), निवासी ग्राम पाटई, थाना आरोन, जिला ग्वालियर बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 106 ग्राम स्मैक, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 26.50 लाख रुपये बताई गई है, बरामद हुई। इसके अलावा 52 हजार रुपये नकद, नथिंग कंपनी का मोबाइल फोन एवं हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से स्मैक के सप्लायर और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ जारी है। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में नशे के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। नशे के खिलाफ लगातार अभियान- फिजीकल थाना पुलिस द्वारा पूर्व में भी कई बड़ी कार्रवाइयां करते हुए करोड़ों रुपये की स्मैक जब्त की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि शिवपुरी को नशामुक्त बनाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा और नशे के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

कानून के दुश्मनों पर पुलिस का प्रहार, SSP ने समीक्षा कर जारी किए सख्त निर्देश

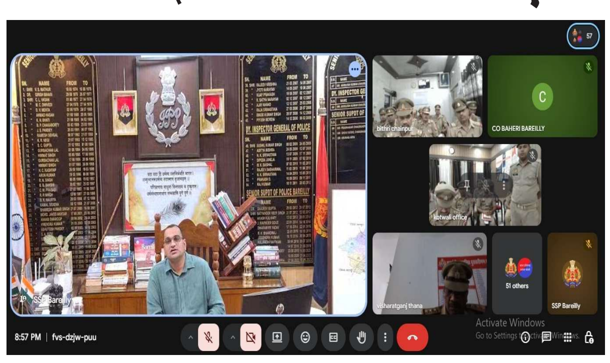

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । पुलिस को और अधिक जवाबदेह, तकनीकी रूप से सक्षम और अपराधियों के खिलाफ आक्रामक बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने सोमवार रात गूगल मीट के माध्यम से जिलेभर के अधिकारियों के साथ बड़ी समीक्षा बैठक की।

इस दौरान अपहरण और व्यपहरण से जुड़े लंबित मामलों, न्यायालयीय आदेशों के अनुपालन, वारंटियों की गिरफ्तारी अभियान और यक्ष ऐप की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

SSP ने जनपद में 4 दिवसीय विशेष वारंटी गिरफ्तारी अभियान चलाने के निर्देश देते हुए सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही गिरफ्तारी वारंट, सम्मन, जमानती और गैर-जमानती वारंटों के शत-प्रतिशत निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, फास्ट ट्रैक कोर्ट के मामलों में प्रभावी पैरवी, जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान तथा अपराध नियंत्रण के लिए हिस्ट्रीशीटरों, गैंगस्टरों और पेशेवर अपराधियों की नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा YAKSH APP और TRINETRA APP पर अपराधियों के डेटा अपडेट करने, डिजिटल प्रोफाइलिंग बढ़ाने और आधुनिक तकनीकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग से पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया।

SSP अनुराग आर्य ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तीन लोगों की मौत वाला, पुल आज भी अधूरा : फाइलों में अटका काम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मंडल में बदायूं के दातागंज क्षेत्र में रामगंगा नदी पर मुढ़ा पुख्ता क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत और विस्तार का मामला फिर फंस गया है।

लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम की ओर से भेजे गए 104 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को शासन की वित्त समिति ने पांचवीं बार आपत्तियों के साथ वापस कर दिया है। लगातार हो रही देरी के कारण पुल निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। ऐसे में आगामी बाढ़ सीजन से पहले पुल के चालू होने की उम्मीद लगभग खत्म होती नजर आ रही है। हालांकि विभाग ने शुक्रवार को फिर फाइल शासन को भेज दी है। दातागंज क्षेत्र के गांव मुढ़ा पुख्ता और फरीदपुर के बीच रामगंगा नदी पर बने इस पुल का एक हिस्सा सितंबर 2023 में आई भीषण बाढ़ में बह गया था। इसके बाद से पुल अधूरा पड़ा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। 24 नवंबर 2024 को कार गिरने से उसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गई थी। ये लोग गूगल मैप के सहारे इस रास्ते पर कहीं जा रहे थे। पिछले डेढ़ वर्ष से आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पुल बंद होने के कारण लोगों को कई किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।200 मीटर बढ़ेगी पुल की लंबाई-पुल के स्थायी समाधान के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से आईआईटी रुड़की से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई थी। टीम ने जनवरी 2025 में मॉडल स्टडी कर चार माह बाद अपनी रिपोर्ट विभाग को सौंपी। रिपोर्ट में पुल की लंबाई 200 मीटर बढ़ाने, 400 मीटर का नया संपर्क मार्ग बनाने और करीब तीन से चार किलोमीटर अतिरिक्त संपर्क मार्ग विकसित करने की सिफारिश की गई थी। आईआईटी की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए 104 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी है। अब जल्द ही लोक निर्माण विभाग की ओर से निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन नरेश कुमार ने बताया कि रामगंगा नदी पर बने मुढ़ा पुख्ता पुल के संबंध में शासन की ओर से कुछ जानकारियां मांगी गई है। उनके जवाब बनाकर दोबारा से शासन को भेज दिए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विवाद में भिड़े दो समुदाय के लोग , जमकर हुई मारपीट, पांच लोग हिरासत में

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर इलाके के धौंरा माफी में गेट लगाने की मजदूरी के बकाया रुपये को लेकर अलग-अलग समुदाय के दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों में मारपीट हो गई, जिससे कुछ लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्ष के पांच लोगों को हिरासत में लिया है। एक पक्ष के राजा कश्यप ने दूसरे पक्ष के नफीस, तौफीक, रहीस खान व बबलू खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने थाना प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम को बताया कि उन्होंने अपने घर में नफीस से गेट लगवाया था। मजदूरी के एक हजार रुपये उसी दिन दे दिए। सोमवार रात नफीस व उसके भाई आदि ने उनके घर पर यह कहकर हमला कर दिया कि उनके एक हजार रुपये नहीं दिए गए हैं। इन लोगों ने उनके परिजनों की लाठी डंडों से जमकर पिटाई की। दूसरे पक्ष ने लगाया मजदूरी न देने का आरोप दूसरे पक्ष के नफीस ने राजा कश्यप, उसके भाई-भतीजे व महिला की महिला के खिलाफ रिपोर्ट कराई है। आरोप है कि वह गेट लगाने की मजदूरी लेने गए तो राजा व उसके परिजनों ने उन्हें घर में खींच लिया। उनके परिवार के लोग आए तो उन्हें भी घर में खींचकर पिटाई कर दी। धारदार हथियार से उन लोगों पर हमला किया। इंस्पेक्टर गौतम ने बताया कि दोनों पक्ष के पांच लोगों को मौके से हिरासत में लिया है। घायलों का मेडिकल परीक्षण भी कराया है।

जिला अस्पताल में लगा शिविर, हेपेटाइटिस मरीजों को दी गई दवा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला अस्पताल में मंगलवार को हेपेटाइटिस क्लीनिक का संचालन किया गया। शिविर में 82 मरीज का पंजीकरण हुआ। इसमें 37 लोगों की हेपेटाइटिस बी जांच की गई। हेपेटाइटिस सी किट नहीं होने की वजह से नहीं हो पा रही है। स्टाफ ने बताया कि लखनऊ में भी जांच बंद है। ऐसे में हेपेटाइटिस के लक्षण वाले मरीजों का सैंपल भी नहीं लिया जा रहा है। अस्पताल के एडीएसआईसी ने बताया कि हेपेटाइटिस किट नहीं है। इसकी मांग मेडिकल कॉरपोरेशन को भेजी गई है।

आग से जंग का बिगुल: 13 दिनों तक चलेगा, महाअभियान, घर-घर पहुंचेगी अग्नि सुरक्षा की सीख

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।आगजनी की घटनाओं पर रोक लगाने और आमजन को सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के लिए नागरिक सुरक्षा संगठन ने बड़ा कदम उठाया है। जनपद बरेली में 03 जून से 15 जून 2026 तक व्यापक अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत नागरिक सुरक्षा के प्रत्येक प्रभाग की हर वार्डेन पोस्ट पर कम से कम एक अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रमों में लोगों को आग लगने की घटनाओं से बचाव, अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग, आपदा के समय सुरक्षित निकासी, प्राथमिक बचाव उपायों और आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जाएगी। नागरिक सुरक्षा विभाग का उद्देश्य लोगों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आग से होने वाली जन-धन की हानि को न्यूनतम करना है। विभाग ने जनसामान्य से अपील की है कि वे इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें, जरूरी सुरक्षा उपायों की जानकारी प्राप्त करें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाएं।

CCTV लगाने वाले युवक ने घर में लगाया फंदा, परिवार में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के कालीचरन मार्ग निवासी 21 वर्षीय कौशल कुमार का शव सोमवार शाम करीब चार बजे घर के अंदर फंदे पर लटका मिला। परिजनों की सूचना पर डायल-112 की पीआरवी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल की बारीकी से जांच कराई। जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इंस्पेक्टर सतीश कुमार नैन के अनुसार, मृतक कौशल कुमार सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम करता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

48 घंटे बाद 10 किलोमीटर दूर मिला शव: जब सबने छोड़ दी आश तब खुद सामने आ गई पवन की लाश, रविवार को हुआ था हादसा

मृतक की पहचान पवन (18) पुत्र धर्मवीर निवासी गोकुलपुरी करावलनगर दिल्ली के रूप में मामा रोहित ने की। रोहित ने बताया कि पवन गोकुलपुरी के स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र था, इनके पिता सैलून का कार्य करते हैं और पवन अपने माता पिता की तीन संतानों में दूसरे नंबर का था। गाजियाबाद क्षेत्रांतर्गत भूडगढ़ी रजवाहे में एक युवक का शव मिला, शव पीछे से पानी में बहकर आया था, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकाला और मृतक की पहचान का प्रयास किया। युवक की पहचान पवन निवासी गोकुलपुरी के रूप में हुई है। पुलिस ने युवक को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। सोशल मीडिया की मदद से हुई पहचान- एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मंगलवार सुबह 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि गांव भूडगढ़ी के पास रजवाहे में एक युवक का शव पानी में उतराता रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रजवाहे से बाहर निकालकर पहचान के प्रयास किए, पुलिस ने आसपास थानाक्षेत्र में युवक का फोटो सोशल साइट्स पर डाल दिया, सोशल साइट्स से जानकारी मिलने पर युवक के परिजन वेव सिटी थाने पहुंचे। गंगनहर में नहाने गया था पवन- मृतक की पहचान पवन (18) पुत्र धर्मवीर निवासी गोकुलपुरी करावलनगर दिल्ली के रूप में मामा रोहित ने की। रोहित ने बताया कि पवन गोकुलपुरी के स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र था, इनके पिता सैलून का कार्य करते हैं और पवन अपने माता पिता की तीन संतानों में दूसरे नंबर का था। पवन अपने दोस्तों लक्की व तनिष्क के साथ रविवार दोपहर गोकुलपुरी से मुरादनगर गंगनहर छोटा हरिद्वार में नहाने आया था, नहाते समय तेज बहाव में बहकर गहरे पानी में डूब गया था। एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम ने की खोजबीन पर नहीं मिला था पवन- एसडीआरएफ व एनडीआरएफ टीम ने रविवार को पवन की गंगनहर में काफी खोजबीन की थी, मगर नहीं मिल सका था, जिसका शव मंगलवार को गंगनहर से बहता हुआ लगभग 10 किलोमीटर दूर गांव भूडगढ़ी के पास रजवाहे में पुलिस को मिला। पुलिस ने शव को मेडिकल परिक्षण के लिए भेजा।

20.39 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण: बोले सीएम योगी, ताल-पोखरों को बपौती समझते थे लोग, अब बनता है पर्यटन स्थल

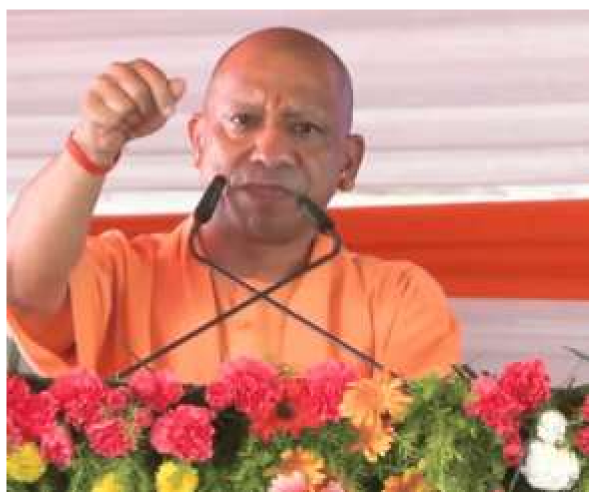

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिलुआताल में 20.39 करोड़ रुपये की पर्यटन परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने तालाबों के संरक्षण, इको टूरिज्म, वाटर स्पोर्ट्स, सोलर प्लांट और स्वच्छता पर जोर देते हुए चिलुआताल को रामगढ़ताल की तर्ज पर विकसित करने की घोषणा की। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिलुआताल में 20.39 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन विकास से संबंधित निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामगढ़ताल में प्राकृतिक जल है, लेकिन वहां शहर के पानी को ट्रीट कर छोड़ा जाता है। चिलुआताल में भी प्राकृतिक जल है और इसका शुद्धिकरण किया गया है। पिछली सरकारों में ताल और पोखरों पर अतिक्रमण किया जाता था। उन्हें नष्ट किया जाता था। लोग उन्हें अपनी बपौती समझकर कब्जा कर लेते थे और हवेलियां बना लेते थे। ऐसे क्षेत्र गंदगी और अपराध के गढ़ बन जाते थे। अब डबल इंजन वाली सरकार ताल और पोखरों का संरक्षण कर रही है। चिलुआताल में वाटर स्पोर्ट्स की अपार संभावनाएं सीएम योगी ने कहा कि पिछले दिनों रामगढ़ताल में नेशनल रोइंग प्रतियोगिता आयोजित हुई थी। इसमें 22 राज्यों के 243 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। सभी प्रतिभागी कहते थे कि इतनी अच्छी झील देखने को कम ही मिलती है। वे लोग यहां आएंगे तो उन्हें और अच्छा लगेगा। रामगढ़ताल के साथ चिलुआताल में भी वाटर स्पोर्ट्स की अपार संभावनाएं हैं। यहां दुकानें खुल गई हैं। लोग परिवार के साथ आकर यहां घूम सकते हैं। यहां न प्रदूषण है और न किसी प्रकार की अव्यवस्था। यहां का तापमान भी शहर की तुलना में कम रहता है। पूरी झील से आने वाली ठंडी हवा तापमान को कम बनाए रखती है। रामगढ़ताल की तर्ज पर किया जाएगा विकसित- यही सिटी डेवलपमेंट प्लान होता है। अब हमारी सिटी केवल स्मार्ट ही नहीं, बल्कि सेफ और सस्टेनेबल सिटी के रूप में भी आगे बढ़ रही है। फर्टिलाइजर प्लांट छह वर्ष पहले तक बंद था। वर्ष 1990 से 2021 तक इसकी गतिविधियां ठप थीं। बीच के समय में यहां एसएसबी आ गई, अन्यथा यहां का स्क्रैप भी गायब हो गया होता। अब यहां एसएसबी, फर्टिलाइजर प्लांट, सैनिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय भी हैं। केंद्रीय विद्यालय के नए भवन के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। जब प्रधानमंत्री ने इस फर्टिलाइजर प्लांट का शुभारंभ किया था, तभी इस वाटर बॉडी को विकसित करने का विचार आया था। फर्टिलाइजर प्लांट को जल की आवश्यकता थी। इसे रामगढ़ताल की तर्ज पर विकसित कर इको टूरिज्म और वाटर स्पोर्ट्स का हब बनाया जाएगा। गंदगी न फैलाने की अपील- यहां एक सोलर प्लांट भी स्थापित किया जा रहा है। 20 मेगावाट क्षमता के इस प्लांट से पूरे शहर को बिजली मिलेगी। यह ग्रीन एनर्जी का स्रोत होगा। डबल इंजन की सरकार विकास कार्य कर सकती है। शहरवासियों की भी जिम्मेदारी है कि वे इसे संरक्षित करें। गंदगी न फैलाएं और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं। यदि कोई नुकसान पहुंचा रहा है तो उसकी शिकायत करें, ताकि उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके। रामगढ़ताल में हाल ही में सफाई अभियान चलाया गया था, जिसमें 56 बोरे कचरा निकला। 5 से 21 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल के उपलक्ष्य में विशेष अभियान चलाया जाएगा। चिलुआताल और रामगढ़ताल के आसपास पौधरोपण किया जाए। 4 जून को गंदगी के खिलाफ अभियान चलाकर सफाई की जाए। मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि रवि किशन उम्र को लेकर मजाक करते हैं, लेकिन उन्हें बता दें कि उनके सामने हम जेन-जी हैं, नेपाल और बांग्लादेश वाले नहीं।

भारत-नेपाल सीमा पर जारी हड़ताल खत्म, दो दिन बाद पटरी पर लौटा व्यापार, 300 ट्रकों की निकासी शुरू

हड़ताल के कारण दो दिनों तक आईसीपी पर आयात-निर्यात कार्य प्रभावित रहा। एलपीजी, डीजल और पेट्रोल से लदे टैंकरों सहित 300 से अधिक ट्रक सीमा पर फंसे रहे, जिससे नेपाल के बांके और सुर्खेत जिलों में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी थी। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) रुपईडीहा में क्लीयरिंग एजेंटों, ट्रक चालकों और आयात-निर्यात कारोबार से जुड़े कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल मंगलवार दोपहर बाद समाप्त हो गई। उप जिलाधिकारी नानपारा अनीता यादव के मौखिक आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने कार्य बहिष्कार वापस लेने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही सीमा पर ठप पड़ा भारत-नेपाल व्यापार फिर से पटरी पर लौटने लगा और करीब 300 ट्रकों की निकासी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। हड़ताल के कारण दो दिनों तक आईसीपी पर आयात-निर्यात कार्य प्रभावित रहा। एलपीजी, डीजल और पेट्रोल से लदे टैंकरों सहित 300 से अधिक ट्रक सीमा पर फंसे रहे, जिससे नेपाल के बांके और सुर्खेत जिलों में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी थी। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि नया साफ्टवेयर ऐप लागू किए जाने के बाद पार्किंग पास और गेट पास जारी करने में देरी होने से उन्हे नुकसान हो रहा है, आईसीपी पर ट्रक चालकों के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव है तथा प्रबंधन की कार्यप्रणाली के कारण कारोबार प्रभावित हो रहा है। उनकी मांगों को लेकर प्रशासन और आईसीपी प्रबंधन के साथ मंगलवार दोपहर बाद बंद कमरे में दो घंटे वार्ता हुई। वार्ता के दौरान उप जिलाधिकारी अनीता यादव, क्षेत्राधिकारी पहुंप सिंह, आईसीपी प्रबंधक तरनजीत सिंह तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी मांगों और शिकायतों को गंभीरता से लेकर संबंधित स्तर पर विचार कराया जाएगा। इसके बाद कस्टम हाउस एजेंटों और ट्रक चालकों ने हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया। हड़ताल समाप्त होने से निर्यातकों, ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों ने राहत की सांस ली है। वहीं प्रशासन अब सीमा पर फंसे वाहनों की शीघ्र निकासी और व्यापारिक गतिविधियों को सामान्य बनाने में जुट गया है। नेपाल में ईंधन संकट टला- हड़ताल के चलते करीब 30 एलपीजी टैंकर समेत बड़ी संख्या में पेट्रोलियम टैंकर सीमा पर फंसे थे। इससे नेपाल के बांके और सुर्खेत जिलों में डीजल, पेट्रोल और गैस की उपलब्धता प्रभावित होने लगी थी। हड़ताल समाप्त होने के बाद अब टैंकरों की निकासी शुरू हो गई है, जिससे संभावित ईंधन संकट टल गया है।

संक्षिप्त समाचार

डीआईजी अजय कुमार साहनी ने की अपराध नियंत्रण हेतु समीक्षा बैठक, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी ने बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और पुलिस कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निपटारे तथा सीसीटीएनएस पर लंबित मामलों की समीक्षा की गई। डीआईजी ने साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, महिला अपराध, हत्या, लूट, वाहन चोरी, पॉक्सो एक्ट और गैंगस्टर एक्ट से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही ई-साक्ष्य ऐप, ई-समन और यक्ष ऐप के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर सतर्क निगरानी रखने, अफवाहों का समयबद्ध खंडन करने तथा पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में मिशन शक्ति, जीरो फेटेलिटी अभियान, यातायात व्यवस्था तथा यूपी पुलिस भर्ती-2025 की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। डीआईजी ने अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ट्रक ने बाइक में पीछे से मारी टक्कर, भाई-बहन की मौत, हेलमेट नहीं पहने था बाइक सवार

हादसे में बाइक पर सवार भाई बहन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बाइक सवार ने हेलमेट नहीं लगाया था। ट्रक चालक वाहन समेत मौके से भाग गया।सीतापुर जिले के महोली इलाके में हाईवे पर नेरी पेट्रोल पंप के निकट सीतापुर से शाहजहांपुर की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार भाई बहन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बाइक सवार ने हेलमेट नहीं लगाया था। ट्रक चालक वाहन समेत मौके से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा है।पिसावां इलाके के टिपिकापुर निवासी विपिन कुशवाहा (22) अपनी बहन राखी (14) व पत्नी नीलम (20) को मंगलवार दोपहर बाइक से लेकर बाला जी मंदिर नेवादा (नेरी) जा रहे थे। हाईवे पर नेरी पेट्रोल पंप के निकट पहुंचते ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार विपिन व उसकी बहन राखी की मौके पर मौत हो गई। वहीं, पत्नी नीलम गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।इंस्पेक्टर जे बी पांडे ने बताया कि अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से टक्कर मारी है। वाहन की तलाश की जा रही है। विपिन की शादी इसी साल 10 मार्च को मोहम्मदी के पकरिया गांव की नीलम के साथ हुई थी। शादी के बाद वह अपनी पत्नी व बहन के साथ बालाजी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

राजधानी में 15 वर्षीय किशोरी से चाकू दिखाकर सामूहिक दुष्कर्म, पूरी रात बनाया बंधक; सुबह बदहवास मिली

इंस्पेक्टर जानकीपुरम ने बताया कि दिनेश व एक अज्ञात युवक के खिलाफ बंधक बनाने, सामूहिक दुष्कर्म व पॉक्सो समेत दुष्कर्म की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में मानसिक रूप से कमजोर 15 वर्षीय किशोरी को एक निर्माणाधीन मकान में केयरटेकर दिनेश व किरायेदार ने बंधक बनाकर पूरी रात सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपियों ने किशोरी को चाकू दिखाकर धमकाया। मंगलवार सुबह किशोरी उक्त मकान से बदहवास हालत में निकली तो लोगों को घटना का पता चला। परिजनों व स्थानीय लोगों ने आरोपी दिनेश को मकान के अंदर से ही पकड़ लिया। उसकी जमकर धुनाई कर दी। आरोपी किरायेदार वहां से भाग निकला। घायल दिनेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।इंस्पेक्टर जानकीपुरम विनोद कुमार तिवारी के मुताबिक, किशोरी सोमवार शाम करीब आठ बजे घर से टहलने निकली थी। इसके बाद वह लापता हो गई। वह जब काफी देर बाद तक वह वापस नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।पुलिस को भी सूचना दी गई। पीड़िता के पिता ने बताया कि परिवार के सदस्य रात भर उसे ढूंढते रहे पर कुछ पता नहीं चल सका मंगलवार सुबह करीब पांच बजे घर से 600 मीटर दूर एक निर्माणाधीन से किशोरी को एक महिला ने निकलते देखा। पहनावा देखकर हुआ अनहोनी का पता चला- महिला किशोरी को घर लेकर पहुंची। किशोरी के कपड़े देखकर पीड़ित परिवार को बेटी के साथ कुछ गलत होने की आशंका हुई। किशोरी के शरीर पर मौजूद कुर्ता व सलवार उल्दा था। घरवालों ने जब किशोरी से बातचीत की तो उसने बताया कि सोमवार रात दिनेश उसको साइकिल से अपने साथ निर्माणाधीन मकान ले गया था। वहां पर उसने उसको बंधक बनाया और दिनेश व उसके साथी ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपी को देखते ही भड़क उठे लोग की जमकर धुनाई-किशोरी की पूरी बात सुनकर परिजन व मोहल्ले के लोग उक्त निर्माणाधीन मकान पहुंचे। घर में मुख्य आरोपी दिनेश मौजूद था। उसको देखते ही लोगों भड़क उठे और पकड़ कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना पाकर मौके पर जानकीपुरम पुलिस भी पहुंच गई।

बंद मकान में मिले पिता-पुत्री के शव: कई दिन से आ रही थी दुर्गंध, कमरे में थीं दोनों की लाशें; दोनों बेटे गायब

साउथ मलाका में एक बंद मकान से पिता वीरेंद्र कुमार वैश्य और पुत्री मीनाक्षी के शव मिले। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वीरेंद्र पर कर्ज की चर्चा है और उनके बेटे लापता हैं।उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में कोतवाली के साउथ मलाका इलाके में एक बंद मकान से पिता और अविवाहित पुत्री के शव मिलने से हड़कंप मच गया। कई दिनों से मकान से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घर के अंदर से दोनों के शव बरामद किए। सूचना एक और शव मिलने की भी है, जिसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।मृतकों की पहचान 70 वर्षीय वीरेंद्र कुमार वैश्य और उनकी 45 वर्षीय पुत्री मीनाक्षी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वीरेंद्र कुमार वैश्य की साउथ मलाका चौराहे पर खिलौनों की दुकान थी, जो रविवार से बंद पड़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे पर स्थित उनकी मकान-दुकान की संपत्ति करोड़ों रुपये मूल्य की है। मृतक वीरेंद्र अपनी पत्नी, बेटी और दो बेटों के साथ रहते थे। घटना के बाद से दोनों बेटे घर पर नहीं मिले हैं, जिससे पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। वहीं वीरेंद्र पर कर्ज होने की चर्चा भी सामने आ रही है।एसीपी कोतवाली रवि गुप्ता ने बताया कि पिता और पुत्री के शव बरामद हुए हैं। दुकान रविवार से बंद है और सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पारिवारिक परिस्थितियों, आर्थिक स्थिति और संपत्ति से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की पड़ताल कर रही है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

70 वर्षीय बुजुर्ग बलदेव चेरवा को नहीं मिल रही वृद्धा पेंशन, पक्के घर के बिना गुजर रही जिंदगी

कई बार आवेदन भेजने के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई, प्रशासनिक व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच /चांदनी बिहारपुर – शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, असहाय एवं वृद्ध लोगों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का सहारा मिल सके। लेकिन सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड अंतर्गत चांदनी बिहारपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम भून्डा में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां लगभग 70 वर्षीय वृद्ध बलदेव पिता मोतीलाल चेरवा आज भी शासन की मूलभूत योजनाओं के लाभ से वंचित हैं।

जानकारी के अनुसार बलदेव चेरवा अत्यंत गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से हैं। वृद्धावस्था में उनकी स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है। उम्र के इस पड़ाव में जहां उन्हें शासन की वृद्धा पेंशन योजना का सहारा मिलना चाहिए, वहीं आज तक उनकी पेंशन शुरू नहीं हो सकी है।

आर्थिक तंगी के बीच उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि बलदेव चेरवा लंबे समय से सरकारी सहायता की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की उदासीनता के कारण उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि उनके पास रहने के लिए खुद का पक्का मकान भी नहीं है। वे आज भी कच्चे एवं जर्जर आशियाने में जीवन बिताने को मजबूर हैं। बरसात के मौसम में उनकी परेशानी और अधिक बढ़ जाती है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत खोहीर के सरपंच से चर्चा किए जाने पर उन्होंने बताया कि बलदेव चेरवा की वृद्धा पेंशन चालू कराने के लिए कई बार आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन जनपद पंचायत से लेकर जिला स्तर तक भेजे जा चुके हैं, लेकिन अब तक किसी प्रकार की स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। सरपंच ने कहा कि पंचायत स्तर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कर बलदेव चेरवा की वृद्धा पेंशन शुरू कराई जाए तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उन्हें पक्का मकान उपलब्ध कराया जाए। लोगों का कहना है कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी सार्थक होगा, जब जरूरतमंद लोगों तक समय पर सहायता पहुंचे।

ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए बलदेव चेरवा की वृद्धा पेंशन शीघ्र चालू कराने तथा उन्हें शासन की अन्य आवश्यक योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की है।

अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक एक गरीब वृद्ध को शासन की योजनाओं का लाभ मिल पाता है।

भाल बामोरा में हुआ समर कैंप का समापन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार /गंज बासौदा / शासन की मंशा अनुसार एक मई से एक जून तक निरंतर समर कैंप का आयोजन कर छात्र छात्रोंओं को विभिन्न गतिविधियों एवं खेल-कूद माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु समर कैंप के रूप में तय किया था जिसके तहत हायर सकेंडरी स्कूल भाल बामोरा में खेल एवं योगा प्रशिक्षक पूर्व सैनिक प्रमोद कुमार चौहान ने निरंतर माह भर समर कैंप के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई गई जिसमें रंगोली, पेंटिंग, कैरियर काउसंलिंग, वालीवुड, फुटबॉल योगा, दौड़ के साथ क्रिकेट टूर्नामेंट जो सबसे अधिक बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहा जिसमें न केवल छात्रा छात्राओं ने खेलने का आनंद लिया बल्कि ग्रामीण जनों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए

समर कैंप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की एवं शासन की इस पहल की सराहना भी की जिसका समापन दो जून को किया गया एवं एक माह तक आयोजित हुई गतिविधियों में भाग लेने वाले सभी छात्र छात्राओं को सरपंच प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह ठाकुर, पूर्व सैनिक प्रमोद कुमार चौहान, प्राचार्य चिंतामनि, गिरिजा कुशवाह एवं संदीप प्रजापति द्वारा पुरस्कृत किया गया एवं आभार प्रमोद चौहान द्वारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

थाना सिविल लाइन पुलिस ने चोरी की घटना में तीन अभियुक्त को भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी के आदेशानुसार जनपद मे अपराध की रोकथाम एंव वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी एंव माल बरामदगी रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 200/2026 धारा 305/317(2) बीएनएस मे वाछिंत 03 नफर अभियुक्त गण अभिषेक पुत्र संजय नि0 नेकपुर गली न0 5 थाना सि0ला0 जनपद बदायूं 02. मुकेश पुत्र गंगाधर यादव नि0 नेकपुर गली न0 3 थाना सि0ला0 जनपद बदायूं 03. पवन पुत्र जमुना प्रसाद नि0 नेकपुर गली न0 04 थाना सि0ला0 जनपद बदायूं को मय चोरी हुये माल कापर का तार वजन 03 किलो 275 ग्राम व 02 अदद गैस सिलेण्डर 05 किलो रंग लाल , मय रेगुलेटर 01 अदद लोहे सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किये गये अभियुक्त गण को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। थाना प्रभारी हरेन्द्र सिंह थाना सिविल लाइन मय टीम

जय श्री कृष्णा के जयकारों से गूंजा गांव, भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भुता थाना क्षेत्र के गांव गूंगा स्थित देवस्थान पर मंगलवार से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। पीले वस्त्रों में सजी महिला श्रद्धालुओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर गांव में शोभायात्रा निकाली, जिसका जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कथा वाचक राजू शर्मा ने संगीतमय भजनों के साथ प्रथम दिवस की कथा सुनाते हुए कहा कि भागवत कथा मानव जीवन को धर्म और सदाचार की राह दिखाती है। कथा का समापन 8 जून को हवन-पूजन और विशाल भंडारे के साथ होगा। कार्यक्रम में मुख्य परीक्षित डोरी लाल, यज्ञपति हेमंत कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बरेली को मिली नई एडी हेल्थ स्वास्थ्य महकमे में बड़ा फेरबदल!

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्वास्थ्य विभाग में लंबे इंतजार के बाद बड़ी प्रशासनिक नियुक्ति हुई है। शासन ने डॉ. सीमा अग्रवाल को अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पद पर तैनात किया है। कई महीनों से यह महत्वपूर्ण पद खाली पड़ा था, जिसका अतिरिक्त प्रभार डॉ. तेजपाल संभाल रहे थे। शासन स्तर पर हुए तबादलों के तहत जिला अस्पताल को भी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सौगात मिली है। मनोचिकित्सक डॉ. तरुण कुमार मिश्रा और ईएनटी सर्जन डॉ. जितेंद्र अब जिला अस्पताल में अपनी सेवाएं देंगे, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। वहीं क्यारा के एमओआईसी डॉ. सौरभ सिंह का तबादला एटा कर दिया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य कर्मचारियों के भी तबादले किए गए हैं। नई नियुक्तियों और तबादलों के बाद बरेली के स्वास्थ्य महकमे में व्यवस्थाओं को और मजबूत करने की तैयारी शुरू हो गई है।

पानी के लिए तरस रहा परसा गांव, महीनों से बंद पड़ी सौर ऊर्जा नल-जल योजना से बढ़ी ग्रामीणों की मुश्किलें

जिम्मेदार विभाग की अनदेखी से आदिवासी बाहुल्य गांव में गहराया पेयजल संकट, नदी-नालों का पानी पीने को मजबूर लोग

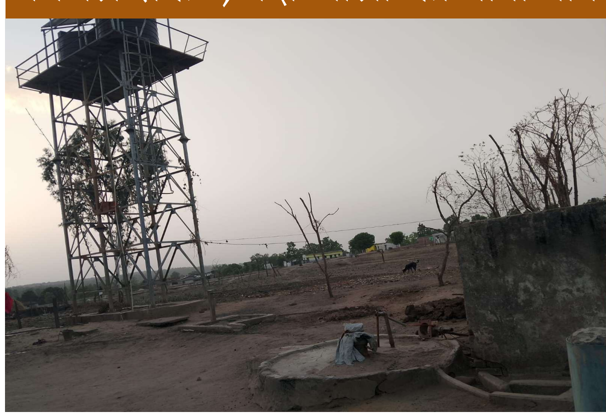

क्यूँ न लिखूँ सच / विकासखंड ओड़गी के दूरस्थ चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत करौटी ए के आश्रित ग्राम परसा में भीषण पेयजल संकट ने ग्रामीणों का जीवन संकट में डाल दिया है। गांव में स्थापित सौर ऊर्जा आधारित नल-जल योजना पिछले कई महीनों से बंद पड़ी हुई है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक इसे सुधारने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर पाया है। हालत यह है कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए प्रतिदिन 2 से 3 किलोमीटर दूर तक पैदल जाना पड़ रहा है।

गर्मी के इस मौसम में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। गांव की महिलाएं सुबह होते ही पानी की तलाश में निकल पड़ती हैं। कई परिवारों को दिनभर की जरूरत के लिए नदी-नालों और छोटे जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब पीने के पानी की ही व्यवस्था नहीं है, तो निस्तारी और अन्य दैनिक कार्यों की स्थिति का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है।

परसा गांव आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित है, जहां अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। ऐसे में साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने से स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ने लगे हैं। दूषित पानी के सेवन से ग्रामीणों में बीमारियों का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद विभागीय अधिकारी केवल आश्वासन देकर मामले को टालते रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में सौर ऊर्जा आधारित नल-जल योजना शुरू होने के बाद लोगों को काफी राहत मिली थी। घरों तक पानी पहुंचने से महिलाओं और बच्चों को बड़ी सुविधा हुई थी, लेकिन योजना बंद होने के बाद हालात फिर पुराने दौर में पहुंच गए हैं। अब ग्रामीणों को घंटों मेहनत कर पानी लाना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत करौटी ए के सरपंच गजमोचन सिंह ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग और संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि फोन के माध्यम से भी कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई तकनीकी टीम गांव नहीं पहुंची है। सरपंच ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए ग्रामीणों को लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक स्थिति है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि क्षेत्र में योजनाओं के संचालन और रखरखाव को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। उनका कहना है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर योजनाएं बंद पड़ी हैं और लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि गांव की बंद पड़ी सौर ऊर्जा नल-जल योजना की तत्काल मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति बहाल की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में आंदोलन की स्थिति बन सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन की योजनाएं तभी सार्थक होंगी जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। परसा गांव में व्याप्त जल संकट प्रशासनिक व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर रहा है और ग्रामीण अब जल्द राहत की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

पुलिस आरक्षी भर्ती प्रवेश परीक्षा के संबंध में कलेक्ट्रेट में हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / आज बदायूं उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 प्रवेश परीक्षा के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में बैठक आहूत हुई। आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा 08, 09 व 10 जून को जनपद में बनाए गए 15 परीक्षा केदो पर दो-दो पालियों में होगी। कुल 33984 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा की परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से कराया जाए तथा पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने बताया कि लिखित प्रवेश परीक्षा 08 ,09 व 10 जून को जनपद में बनाए गए 15 परीक्षा केंद्रों पर दो-दो पालियों में कराई जाएगी, प्रथम पाली प्रात: 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से सायं 5:00 तक होगी। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की बायोमैट्रिक उपस्थित ली जाएगी। परीक्षा केंद्र पर किसी भी तरह का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, मोबाइल ,टॉर्च, कैलकुलेटर, तंबाकू उत्पाद आदि ले जाना पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक पाली में सभी केंद्रों पर मिलाकर कुल 5664 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। तीन दिनों में अलग-अलग दो पालियों में आयोजित कराई जा रही

परीक्षा में कुल 33984 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इस अवसर पर केंद्र व्यवस्थापक, मजिस्ट्रेट व अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

सीडीएस सुब्रमणि ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात, देश की रक्षा चुनौतियों पर की चर्चा

सीडीएस सुबमणि मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने देश की रक्षा चुनौतियों पर चर्चा की। इससे पहले सोमवार को उन्होंने पत्नी संग राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। नव राजा सुब्रमणि ने मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी की थी मुलाकात गया है, 'नवनियुक्त चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।' सुब्रमणि ने अपनी पत्नी महालक्ष्मी सुब्रमणि के की। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर एक पोस्ट में ने अपनी पत्नी महालक्ष्मी सुब्रमणि के साथ राष्ट्रपति लिए राष्ट्र का आभार- राष्ट्रीय राजधानी में साउथ को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कहा मुझे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पदभार जो भरोसा जताया है, उसके लिए हम राष्ट्र के मंत्रालय, रणनीतिक संस्थान और सभी हितधारक,

नियुक्त चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस सिंह से मुलाकात की। दोनों की मुलाकात कर्तव्य भवन में रक्षा मंत्री कार्यालय (आरएमओ) की एक पोस्ट में बताया (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कर्तव्य भवन इससे पहले, सोमवार को सीडीएस जनरल एनएस राजा साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कहा, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस पद के ब्लॉक के लॉन में सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने ग्रहण करने का सौभाग्य मिला है। सशस्त्र बलों पर देश ने आभारी हैं। हम, भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना, रक्षा भारत की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण के तहत एकजुट हैं। हम अपने प्रधानमंत्री के विजन जय संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा, सशस्त्र बलों का रूपांतरण और संगठनात्मक सुधार, जिससे संयुक्तता, तालमेल और एकीकरण को बढ़ावा मिले, हमारा प्राथमिक लक्ष्य होगा। आत्मनिर्भरता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का एक केंद्रीय स्तंभ है। हम अपने सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियारों के विकास, शामिल करने और एकीकरण में तेजी लाएंगे। सरकार ने 9 मई को जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को अगला चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया। वह भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग में सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार, सेना के उप प्रमुख और केंद्रीय कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया उन्हें 14 दिसंबर 1985 को गढ़वाल राइफल्स की 8वीं बटालियन में कमीशन प्राप्त हुआ।

मंडलायुक्त ने समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, राजस्व वसूली बढ़ाओ और समय पर शिकायतों का निस्तारण करने के दिए आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में गेहूं खरीद, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य सेवाएं, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, निर्माण कार्य, राजस्व वसूली और आईजीआरएस शिकायतों की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त ने गेहूं खरीद की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए खरीद बढ़ाने के निर्देश दिए। वृक्षारोपण अभियान के तहत वंदे मातरम वन, औषधि वन और ऊर्जा वन सहित विभिन्न थीम आधारित वन विकसित करने की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में मच्छरजनित रोगों की रोकथाम, आयुष्मान कार्ड, एचपीवी वैक्सीनेशन और आरबीएसके कार्यों की गुणवत्ता पर जोर दिया गया। अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच तेज करने तथा मरीजों और तीमारदारों के साथ बेहतर व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, निराश्रित गौवंश प्रबंधन, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही राजस्व वसूली बढ़ाने, पांच वर्ष से अधिक पुराने लंबित राजस्व वादों का निस्तारण करने तथा आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए गए। बैठक में मंडल के सभी जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं मंडल स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

Living away from your parents? Take care of them in this way so you never feel lonely.

How to take care of your parents while away? When you're away, make regular video calls, monitor their health and medications, ensure financial security, maintain contact with neighbors and relatives, and visit them from time to time. This will help them avoid feeling lonely. Global Parents' Day is celebrated every year on June 1st around the world. This day is dedicated to honoring the parents who gave us life, instilled values, and supported us through every situation. However, in today's fast-paced life, millions of people are away from their parents due to studies, jobs, or business. The biggest question is how to care for them even while away. Technology may have reduced distances, but parents need not only money but also an emotional connection and a sense of belonging. Often, children help financially, but their lack of time can leave parents feeling lonely. As they age, their health needs increase, making regular contact and care crucial. If you live away from your parents and want to ensure they don't face any problems, adopting a few simple habits can make their lives better and happier. Let's explore five effective ways to take complete care of them even while away. Communicate daily, not just formally—make a phone or video call at least once a day. Ask about their daily routine, health, and feelings. Don't rush your conversation. Video calls make them feel a sense of belonging. Remember: your time is the most precious gift for your parents. Monitor health and medical needs—arrange for regular health checkups. Always keep a stock of essential medicines available. Keep digital copies of medical reports. Save the contact numbers of the nearest hospital and doctor for emergencies. Even minor health problems can become major problems as they age, so it's important to be vigilant. Ensure financial security. Keep their banking and financial affairs organized. Advise them to be cautious of any kind of online fraud. Keep sufficient funds available for monthly expenses. Use auto-payment features if needed. Financial security increases parents' confidence. Maintain contact with relatives and neighbors - Maintain regular contact with trusted people living nearby. Provide emergency contact numbers to neighbors. They can provide immediate assistance in case of a problem. Encourage other family members to visit from time to time. This small step can become a strong protective shield for parents. Visit home from time to time and surprise them. Try to visit home during festivals or holidays. A surprise visit can make them extremely happy. Spending time together bridges emotional distance. Moments spent with family make their memories even more beautiful. Sometimes your presence brings more joy than any expensive gift.

Gut Health Tips: How many times a day is considered normal? Know when it's necessary to see a doctor.

This question often comes to people's minds. In this article, we'll explain how many times a healthy person goes to the toilet per day. Some people go once a day, while others go two or three times. Sometimes it's difficult to understand what's normal and what could be a sign of a health problem. According to experts, every person's digestive system is different, so the number of bowel movements can vary. A healthy digestive system is a sign of good health. So, let's explore how many times a day is considered normal and what should prompt a doctor's consultation. How many times a day is normal? According to health experts, anywhere from three to three times a week can be considered normal. The most important thing is that your bowel habits are regular and don't change suddenly. Once a day - For most healthy people, defecating once a day is considered normal. This is a sign that your digestive system is functioning properly. This means that food is being digested in your body in a timely manner and that unwanted substances are being easily eliminated. 2-3 times a day - Some people have a faster metabolism or eat more fiber-rich foods. In such cases, defecating 2-3 times a day is also completely normal. This shows that your digestive system is active and food is being digested quickly. 3 times a week - Some people have slower digestion. For these people, defecating 3 times a week is also considered normal. This indicates that the body is digesting food slowly. If you defecate less than 3 times a week or feel heavy or uncomfortable in the stomach, it is advisable to consult a doctor. What symptoms should not be ignored? Persistent constipation Frequent loose motions Blood in stools Severe stomach pain Stomach not feeling clean even after defecation Sudden weight loss Sudden change in bowel habits When should one consult a doctor? If constipation or diarrhoea persists for more than two weeks, blood is seen in stools, there is persistent stomach pain or bowel habits suddenly change, then one should immediately consult a doctor. These symptoms could be a sign of a serious digestive problem. Tips to maintain good gut health Drink enough water daily. Eat fibre rich food. Exercise regularly. Include probiotic foods in the diet. Reduce stress and get enough sleep.

Heatwave Precautions: Feeling tired and weak in the scorching heat? Consume these things immediately

If you're feeling tired due to the intense heat, this article is helpful. Here, we'll tell you what you should consume immediately during these times. Extreme heat and heat waves are increasing in many parts of the country. In such weather, the body loses a large amount of water and essential minerals through sweat, leading to problems like fatigue, weakness, dizziness, and dehydration. Many people ignore the effects of heat, thinking it's normal. However, if precautions are not taken in time, serious conditions like heat exhaustion and heat stroke can arise. Therefore, it's crucial to pay special attention to your diet during the summer. Consuming certain foods can help provide instant energy, replenish dehydration, and maintain electrolyte balance. If you're feeling tired and weak due to the intense heat, learn about the foods that can provide relief. Coconut water - Coconut water is considered an excellent source of natural electrolytes. It contains potassium, magnesium, and other essential minerals, which help quickly replenish dehydration. Coconut water can provide instant relief from fatigue in the summer. Lemon Water - Lemon water not only keeps the body hydrated but also provides vitamin C. Drinking it with a little salt and sugar helps maintain energy. It reduces the risk of dehydration. Buttermilk - Buttermilk is considered a popular summer drink. It improves digestion and cools the body. The probiotics present in it also help maintain a healthy stomach. Watermelon - Watermelon is over 90 percent water. It not only keeps the body hydrated but also provides vitamins and antioxidants. Consuming watermelon in the summer keeps the body refreshed. Cucumber - Cucumber is very high in water. It helps regulate body temperature and prevents dehydration. It can be eaten as a salad or snack. ORS solution - If you feel weak due to excessive sweating, taking ORS can be beneficial. It helps maintain electrolyte balance in the body.

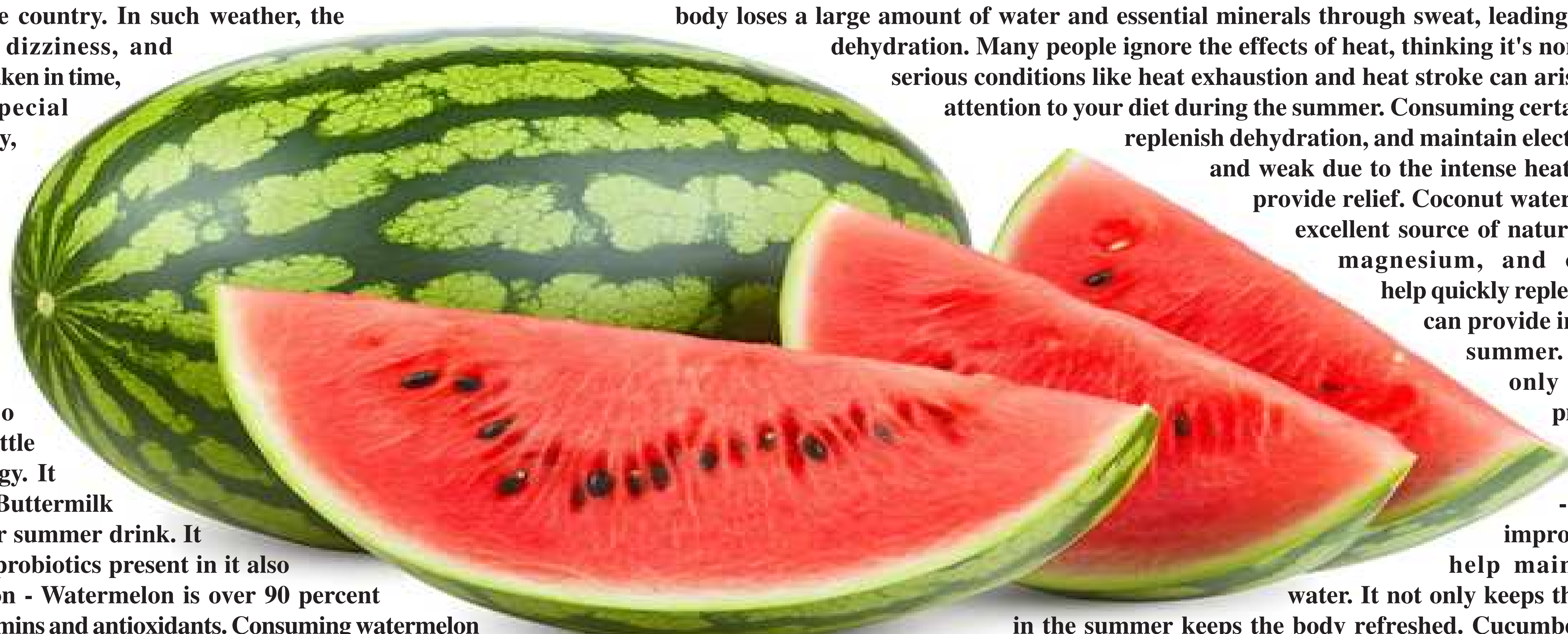

"You're amazing!" Katrina Kaif shares unseen photos from Vicky Kaushal's birthday; son Viaan did this.

Vicky Kaushal recently celebrated his 38th birthday. Katrina Kaif surprised fans by sharing a glimpse of the moment on her social media handle. Katrina Kaif and Vicky Kaushal are one of Bollywood's most loved couples. In November last year, they became parents to a cute son, whom they amed Viaan Kaushal. Since his birth, Katrina has been spending all er time with him. Katrina shared some unseen photos from Vicky aushal's birthday on her social media handle today. A glimpse of son iaan and Katrina's hair - Katrina shared some special photos rom Vicky Kaushal's birthday on Instagram, showing a tiny hand of heir son Viaan. Fans are overjoyed to see this small glimpse of heir favorite couple's child. Katrina's hair is seen in the photos ith extremely long hair, which people are comparing to Disney rincess Rapunzel. Fans are praising her hairstyle. Funny caption aught attention - Katrina also wrote a long and funny caption along ith the photos. She explained that she searches for the best hot hocolate and coffee in every city, and this time she found the best hot hocolate ever. She also jokingly wrote that the family is very happy, ut her mother (Katrina)'s hair looks a little strange. Bollywood stars nd fans showered love - Katrina's post has been liked by big ames like Priyanka Chopra, Arjun Kapoor, and Sonam Kapoor. ans are also showering her with love in the comments. Some are calling er "supermom," while others are commenting "hair goals" after eeing her hair. Vicky Kaushal praised - Vicky Kaushal praised atrina's post. Vicky wrote, "At this time, mother is the real superhero." Katrina has been a warrior both during her pregnancy and as a mother. I am so proud of her." Vicky will be seen in films like "Love and War" and "Mahaavatar." Katrina, meanwhile, has been away from films since the birth of her son.

Alia Bhatt's film "Alpha" release date changed; find out when this YRF spy universe movie will release.

Bollywood actress Alia Bhatt is currently in the news for several of her projects. Alia will be seen in "Alpha" and "Love and War." Ahead of Alpha's release, the producers have announced its new release date. The release date of Alia Bhatt and Sharvari Wagh's upcoming spy universe film "Alpha" has been changed. Find out when this spy universe movie will release and what was the specific reason for the release date change. "Alpha's" new release date: "Alpha," an action film starring Alia Bhatt and Sharvari Wagh, will now release in theaters on July 3rd, a week ahead of its scheduled release date. Originally scheduled for July 10th, the film was expected to release on July 10th. Fans are eager to see Alia in action. Before this film, Alia had done action in the film 'Jigra'. Why was the release date of 'Alpha' changed? After the release date of 'Dhamaal 4' was fixed on July 17th, 'Alpha' producer Aditya Chopra made this decision. Since no major films are releasing around July 3rd, the producers felt this was the best time for the film to earn. This film is part of the 'YRF Spy Universe' and also stars Bobby Deol. This change will give 'Alpha' a full two weeks of box office freedom. The film is releasing between two comedy films, 'Welcome to the Jungle' (June 26th) and 'Dhamaal 4' (July 17th), which could benefit it due to its different genre (action). Alia will be seen in 'Love and War' - 'Love and War' is a big-budget film by renowned director Sanjay Leela Bhansali. The film, based on a sizzling love triangle and war, is inspired by the 1964 classic film "Sangam." Alia Bhatt, Ranbir Kapoor, and Vicky Kaushal will star in the film.

"Despite being close," Vashu Bhagnani opened up about his past relationship with Ramesh Taurani, saying, "He was betrayed..."

Famous filmmaker Vashu Bhagnani has opened up about his past relationship with Ramesh Taurani. He says he felt betrayed by the Taurani camp. Vashu Bhagnani clarified that he's not saying this to address any legal battle or ownership dispute. He simply wants to express his morality, responsibility, and gratitude to those who made his film career successful. He believes that cinema is made through the hard work of the entire team and that the film industry is like a family. This is why Vashu Bhagnani has spoken about his past relationship with Ramesh Taurani. An anecdote from the time of "Coolie No. 1" - Vashu Bhagnani recalled an old incident from his career. He explained that when his superhit film "Coolie No. 1" was about to be released, he gifted a car each to director David Dhawan and actor Govinda from his own money to celebrate the film's success. At the time, Ramesh Taurani's company, "Tips," was a 50% partner in the film. Bhagnani had asked Taurani to join in the gift, but Taurani declined. Vashu Bhagnani believes that success should always be attributed to those who help make it happen. His association with Ramesh Taurani and his work beginnings: Vashu Bhagnani clarified that before entering films, he had a large audio cassette manufacturing business. His relationship with the Taurani family began through the music business. He then began producing films himself through "Pooja Films" and "Pooja Entertainment." He also stated that some people spread misconceptions about history. He explained that he had worked with David Dhawan since the beginning of his career and delivered several hit films. It took Ramesh Taurani 31 years to produce his first film directly with David Dhawan. A Broken Trust - Vashu Bhagnani lamented that the past few years have been marked by a betrayal of trust. He felt deeply disappointed by people he considered close associates. He explained that remaining silent would now be seen as a sign of weakness, so he is revealing the truth. A Desire for Royalties for Artists - Vashu Bhagnani also stated that if he ever earns any future income or royalties from his songs, he would like to give a portion of that income to all the actors, directors, and writers who have worked with him. He specifically named these legendary artists. This list includes artists like Amitabh Bachchan, Govinda, Salman Khan, Akshay Kumar, Ajay Devgan, David Dhawan, the family of the late Satish Kaushik, Rumi Jaffery, Karisma Kapoor, Kareena Kapoor, Tabu, Anil Kapoor, Saif Ali Khan, and Sushmita Sen.